

Report of Parent Teacher Meet

Department of Hindi

On 09.02.2020

रविवार, दिनांक, 9 फरवरी, 2020 अपराह्न 1:30 से कॉलेज के रूसा सेमिनार कक्ष में हिंदी विभाग की ओर से एक दिवसीय अभिभावक शिक्षक मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य पी शेखर ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ स्वागत भाषण से करते हुए हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर अरविंद कुमार ने ऐसे कार्यक्रमों के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

प्राचार्य पी शेखर ने अपने संबोधन में कहा कि कॉलेज में छात्रों की उपस्थिति सबसे महत्वपूर्ण है। छात्रों को शिक्षण के साथ पुस्तकालय, एन. सी. सी, एन. एस. एस, स्पोर्ट्स एवम सांस्कृतिक गतिविधियों में भी अपनी सक्रिय भागीदारी एवं सहभागिता निभानी चाहिए। प्रोफेसर सोनू प्रसाद यादव ने ऐसे आयोजनों की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता की चर्चा की।

इस कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों एवं छात्रों से विभाग द्वारा अलग-अलग फीडबैक फॉर्म भरवाए गए। कार्यक्रम में अभिभावकों की ओर से कुछ सुझाव भी आए। उन्होंने ऐसे आयोजनों की प्रशंसा की। कार्यक्रम का अंत डॉ संगीता नाथ के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। छात्रों एवं उनके अभिभावकों की उपस्थिति सराहनीय रही।

कार्यक्रम में इतिहास विभाग की अध्यक्षा डॉ रंजना दास, प्रियंका शर्मा, पिकी कुमारी, प्रोफेसर दलजीत सिंह, प्रोफेसर अभिषेक सिन्हा एवं अर्णब सरखेल की उपस्थिति रही।

Picture Gallery







Press Release

जीएन कॉलेज में इतिहास और हिन्दी विभाग का अभिभावक-शिक्षक मीट

अभिभावकों और विद्यार्थियों से लिया गया फीडबैक, प्राचार्य ने कहा कॉलेज में विद्यार्थियों की उपस्थिति जरूरी

धनबाद, (आवाज प्रतिनिधि)। गुरुनानक कॉलेज में रविवार को इतिहास एवं हिन्दी विभाग के द्वारा अलग-अलग अपने-अपने विभागों में अध्ययन विद्यार्थियों के अभिभावकों और शिक्षकों का मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के भूदा कैम्पस में हुआ। इस दौरान इतिहास विभाग में अध्ययनरत लगभग चार सौ से अधिक छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वहीं हिन्दी विभाग के कार्यक्रम में भी सैकड़ों अभिभावकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। दोनों कार्यक्रमों की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य प्रो



पी शेखर ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि छात्रों की उपस्थिति कॉलेज में सबसे महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को शिक्षण के साथ

लाइब्रेरी, एनसीसी, एनएसएस, स्पोर्ट्स एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी सक्रिय भागीदारी और सहभागिता निभानी चाहिए। इस

कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों एवं छात्रों से विभाग द्वारा फीडबैक फॉर्म भरा गया। इतिहास की विभागाध्यक्ष डॉ रंजना दास ने

कल से शुरू होगी यूजी सेमेस्टर फाईव की परीक्षा विनाद विहारी महतो कोयलाखेला विश्वविद्यालय के यूजी सेमेस्टर फाईव की परीक्षा 11 फरवरी से शुरू होगी। परीक्षा की तैयारी पूरी कर ली गयी है। विधि के परीक्षा विभाग ने सभी कॉलेजों को सेमेस्टर फाईव का एडमिट कार्ड भी उपलब्ध करा दिया है। जिन विद्यार्थियों ने अभी तक एडमिट कार्ड नहीं लिया है उनके पास केवल सोमवार को एडमिट कार्ड लेने का समय बचा है। परीक्षा के सेंटर और परीक्षा का कार्यक्रम विधि के वेबसाइट पर पहले की जारी कर दिया गया है।

अतिथियों का स्वागत किया अपने संबोधन में उन्होंने विभाग के वैधानिक एवं अन्य क्रियाकलापों की जानकारी साझा की। वहीं हिन्दी विभाग के कार्यक्रम की शुरुआत हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो अरविंद कुमार के स्वागत भाषण से हुई इसके बाद कॉलेज के हिन्दी विभाग के शिक्षक प्रो सोनू प्रसाद यादव ने ऐसे

आयोजनों की उपयोगिता के विषय में बताया। कार्यक्रम को सफल बनाने में इतिहास विभाग के प्रो अभिषेक कुमार सिन्हा, डॉ सविता मर्देशिया, प्रो करुणा, प्रो अर्णव सखिल हिन्दी विभाग के डॉ संगीता नाथ, पिंकी कुमारी, प्रियंका शर्मा, दलजीत सिंह, अभिषेक सिन्हा एवं अर्णव सरखेल की उपस्थिति रही।

अभिभावकों व विद्यार्थियों से लिया गया फीडबैक



जीएन कॉलेज के भूदा कैम्पस में हुआ फीडबैक-टीचर मीट का आयोजन.

धनबाद, गुरुनानक कॉलेज के भूदा कैम्पस में रविवार को इतिहास एवं हिन्दी विभाग द्वारा फीडबैक टीचर मीटिंग का आयोजन किया गया। इसमें इतिहास विभाग में अध्ययनरत चार सौ से अधिक छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावकों शामिल हुए। वहीं हिन्दी विभाग के कार्यक्रम में भी सैकड़ों अभिभावकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रमों की अध्यक्षता करते हुए कॉलेज के प्राचार्य प्रो पी शेखर ने कहा कि छात्रों की उपस्थिति कॉलेज में सबसे महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को शिक्षण के साथ लाइब्रेरी, एनसीसी, एनएसएस, स्पोर्ट्स एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी सक्रिय भागीदारी और सहभागिता निभानी चाहिए। इस

कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों एवं छात्रों से विभाग द्वारा फीडबैक फॉर्म भरा गया। इतिहास की विभागाध्यक्ष डॉ रंजना दास ने अतिथियों का स्वागत किया। वहीं हिन्दी विभाग के कार्यक्रम की शुरुआत हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो अरविंद कुमार के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद कॉलेज के हिन्दी विभाग के शिक्षक प्रो सोनू प्रसाद यादव ने ऐसे आयोजनों की उपयोगिता के विषय में बताया। कार्यक्रम में इतिहास विभाग के प्रो अभिषेक कुमार सिन्हा, डॉ सविता मर्देशिया, प्रो करुणा, प्रो अर्णव सखिल, हिन्दी विभाग की डॉ संगीता नाथ, पिंकी कुमारी, प्रियंका शर्मा, दलजीत सिंह, अभिषेक सिन्हा एवं अर्णव आदि उपस्थित थे।

अभिभावक-शिक्षक मिलन कार्यक्रम

धनबाद। गुरुनानक कॉलेज भूदा परिसर के कन्सा सेमिनार हॉल में हिन्दी विभाग की ओर से अभिभावक शिक्षक मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर अरविंद कुमार के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर पी शेखर ने इस कार्यक्रम के उद्देश्य एवं इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। हिन्दी विभाग के शिक्षक प्रोफेसर सोनू प्रसाद यादव ने विस्तार से ऐसे आयोजनों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में अच्छी संख्या में छात्रों एवं उनके अभिभावकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में डॉ संगीता नाथ, पिंकी कुमारी, प्रियंका शर्मा, दलजीत सिंह, अभिषेक सिन्हा एवं अर्णव सरखेल की उपस्थिति रही।

Hindustan
10-2-20

Prabhat Khabar
10-2-20

Dainik Jagran 10.2.20

छात्र-छात्राओं की उपस्थिति को लेकर जीएन कॉलेज में बैठक जास, धनबाद : कॉलेज में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति एवं गतिविधियों में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए रविवार को गुरुनानक कॉलेज में अभिभावक शिक्षक मिलन समारोह हुआ। इतिहास और हिन्दी विभाग के आयोजित इस कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. पी शेखर ने बताया कि शिक्षा ग्रहण करने के लिए छात्र-छात्राओं की उपस्थिति सुनिश्चित करना अभिभावकों की भी जिम्मेवारी है। प्राचार्य के अलावा इतिहास विभाग की प्रमुख डॉ. रंजना दास और हिन्दी विभाग प्रमुख अरविंद कुमार ने भी अपनी बातें कही रहीं। मुख्य रूप से डॉ. संगीता नाथ, पिंकी कुमारी, प्रियंका, अभिषेक सिन्हा एवं अर्णव सरखेल उपस्थित थे।

Dainik Bhaskar 10.2.20

उपस्थिति के साथ अन्य गतिविधियों में सहभागिता जरूरी

धनबाद। गुरुनानक कॉलेज में रविवार को अभिभावक-शिक्षक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कॉलेज के प्राचार्य प्रो पी शेखर ने कहा कि छात्रों की उपस्थिति के साथ अन्य गतिविधियों में सहभागिता भी जरूरी है।